मोहयाल मित्र

■ *लड़कियों की घटती संख्या–एक चिंता*

जिन्दगी की जंग हार रही है बेटियाँ

बच्चों का प्रथम भरोसा उसके माता–पिता है। परन्तु यदि माता या पिता ही विशेषकर बच्चियों का भरोसा ना बने, तो...। कहते है बेटियाँ ठंडी छाँव होती है। घर की रौनक भी। लेकिन लगता है हमें ये रौनक भा नहीं रही है। बेटियों को हद दर्जे की क्रूरता की एक–एक कर कई झंझकोरने वाली खबरे सामने आ रही है। कही बच्चीयों को लावारिस छोड़ा जा रहा है तो कही इस दुनियाँ में आने से पहले ही उनकी भ्रुण हत्या की जा रही है। ऐसा तब हो रहा है जब बेटियाँ अपने परिवार का नाम रोशन कर रही हैं। वे कैसा सलूक कर रहे हैं–आइये डालते हैं एक नजरः

बेटे की चाह में-

(1) एम्स में लावारिस नन्ही फलक को जख्मी हालत में भर्ती कराया गया था।..... जहाँ 63 दिन जिन्दगी और मौत के बीच लड़ाई लड़ते हुए.....वो जिन्दगी से हार गई थी।

(2) बेंगलूरू में तीन माह की मासूम आफरीन के पिता उमर फारूक ने उस पर कई जुल्म किए, उसे बुरी तरह पीटा, दीवार पर पटक दिया और जलती सिगरेट से कई जगह दागा। लगातार अधिक रक्तस्त्राव एवं खराब स्थिति के कारण वो अपनी जिंदगी छोड़ गई।

(3) उत्तराखण्ड के लालकुँआ में पिता ने अपनी 11 माह की बच्ची को नाले में फेंक दिया बच्ची का शव दो दिन बाद मिला।

(4) वेस्ट बंगाल के बर्दमान में एक शख्स ने अपनी तीन बेटियों और गर्भवती पत्नि को मार डाला। उसे भय था कहीं चौथी बेटी ना जन्म ले लें।

(5) ग्वालियर में एक सख्स ने अपनी नवजात बेटी को अस्पताल में टबैको खिला कर मार डाला था।

कम हो रही हैं बेटियाँ-

सेंसस 2011 के आंकड़ो में एक कटु वास्तविकता भी सामने आई कि 0–6 वर्ष ऐज ग्रुप के सेक्स रेश्यों में बच्चियों की संख्या कम हुई है। सेक्स रेश्यों यानि 1000 लड़कों के मुकाबले लड़कियों की संख्या 2001 में 926 तो 2011 में 914 रह गई।

स्वतंत्रता के बाद से ये अब तक का सबसे खराब रेकार्ड रहा है। सेंसस कमिश्नर सी. चन्द्रमौलि ने भी इसे बेहद चिन्ताजनक बताया है।

कारण क्या है? हम मिडिया सोशल नेटवर्किंग साइटस और सेमीनारों में बेटियों को बचाने का लाख डंका पीटे पर वास्तविकता कुछ और है। प्रसव से पहले भ्रूण के सेक्स की जांच पर रोक लगाने के लिए कानून (पी.एन.डी.टी. एक्ट) भी है। परन्तु ये दृढ़ता से लागू नहीं किया गया। लालची डाक्टरों ने भ्रूण हत्या को अपनी अधिक आय अर्जित करने का साधन बना लिया है। चेकअप की फीस अलग से लेते है और गर्भपात (भ्रूण हत्या) की अलग से कई बार तो नर को मादा बता देते हैं।

परिणामः स्वतंत्रता से पूर्व भी लड़को के मुकाबले लड़कियों का जन्म अच्छा नहीं समझा जाता था। जिससे उस समय भी लड़कों के मुकाबले लड़कियों की संख्या कम थी। और सुना जाता था कि फलां गाँव में कुछ ऐसे भी वृद्ध हैं जिन्होंने विवाह नहीं किया अर्थात् लड़कियों की कमी के कारण उनके विवाह ही नहीं हो पाए थे। जब जननी नहीं होगी तो जनक का क्या महत्व रह जाएगा। यदि इसी प्रकार लड़कियों का सेक्स रेश्यो घटता गया तो ये चिन्ताजनक होगा। आज भी कई कुंवारे वृद्ध है और भविष्य में कुंवारे वृद्धो की संख्या भी बढ़ सकती है। बच्चियों को बोझ मानने की धारणा छोड़ कर उनकी विशेषताओं को मध्य नजर रखते हुए बच्चियों के जन्म का सम्मान करना उचित होगा। राजस्थान जहाँ का लिंग अनुपात गिर कर 883 रह गया जो बहुत ही चिंता जनक माना गया। लोगों की सोच बदली राजस्थान के एक जिले श्रीगंगा नगर में सामुदायिक कोशिश ने यह दिखा दिया है कि हर एक भारतीय परिवार में बेटियाँ भी खुशहाली का सबब हो सकती है। जबकि दूसरे समुदायों की तरह यहाँ भी बेटे की चाह में कन्या भ्रूण की हत्या सामान्य बात थी। भ्रूण हत्या के विरोध में पूरा समुदाय एक जुट हुआ। एक सामूहिक विवाह समारोह के दौरान आयोजकों से "आठवां फेरा" जोड़ने का अनुरोध किया। इसमें नवविवाहितों को लिंग निर्धारण के विरोध में एक फेरा अधिक लेना था। ज्ञानीजी औा पंडितजी ने 21 नवविवाहित जोड़ों को एक हजार लोगों के सामने यह शपथ दिलाई। श्रीगंगा नगर चैम्बर ऑफ कॉमर्स भी इस मुहिम में लगा हुआ है। उर्मुल नाम की एक गैर सरकारी संस्था चलाने वाली निशा चौहान बताती है कि

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बेटी के जन्म लेने पर हमने थाली बजाने की परम्परा आरम्भ की। ये आयोजन अब तक बेटों के जन्म पर ही किया जाता था। चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने 2006 से "कन्या लोहड़ी" की भी शुरूआत की। इसके तहत लड़कियों के माता–पिता का सम्मान किया जाता है। किन्नरों ने भी इस मुहिम को सफल बनाने में योगदान दिया है। गौरी ऐसी ही एक किन्नर है जो लड़कियों के जन्म लेने पर बधाई गाती है।

जैसा की राजस्थान में यह मुहिम आरम्भ की गई है। यदि हम पूरे समाज में लड़कियों के जन्म पर खुशियाँ मनाए उसके जननी के रूप को उजागर कराए तो भविष्य में कन्या भ्रूण हत्या या कन्या जन्म के बाद की हत्या को कम किया जा सकता है। रोका जा सकता है। और जो एक बहुत ही बड़ी समस्या जन्म लेने जा रही है लड़कियों की सेक्स रेश्यों का घटना। उसे रोका जा सकता है अन्यथा बेटियों के लिए तरसना पड़ेगा, भाइयों को कौन राखी बाँधेगा, माता–पिता कन्यादान किसका करेंगे। और बहुत से लड़के कुंवारे भी रह जाएंगे, इससे लड़कियों की सेक्स रेश्यों में कमी तो आ ही रही है लड़कों का अनुपात भी कम हो जाएगा। हम मोहयालों को भी इस ओर ध्यान देना होगा। इस सामाजिक बुराई से दूर रहना होगा। देश के हित में हमें भी कन्या भ्रूण हत्या विरोधी अभियानों में बढ़–चढ़ कर भाग लेना होगा। लड़कियों की कम होती सेक्स रेशियों को सामान्य लाना होगा। धारणा है जब–जब धरती पर पाप बढ़ता है तो उस पाप का अन्त करने प्रभु अवतार लेते हैं। परन्तु प्रभु भी धरती का माहौल देखते हुए अवतार लेने से हिचकिचा रहे है। कवित्री विजेश.के. शिवाल कुछ ऐसा ही वर्णन अपनी कविता "नो चान्स ऑफ अवतार" में कर रही हैं।

हा–हाकार मची धरती पर, मानव करे पुकार
कहाँ छिपे हो प्रभु, आओ लेकर अवतार।
बड़े दुःखी से प्रभु बोले, होकर लाचार
फँसा हुआ हूँ संकट में, मै कैसे लू अवतार।
जीवन हर्ता बने डाक्टर, पाप की रोटी खाते है
चैकअप की ले फीस अलग, फिर गर्भपात में खाते हैं।
नर को भी मादा बतलाकर, भ्रूण हत्या करवाते है
यही सोच कर चुप बैठा हूँ, कहो करूँ क्या मैं लाचार।
अपने बच्चों को खुद से बढ़कर, करता हूँ प्यार
बनकर कान्हा आना चाहूँ, पर हूँ मैं लाचार।
डरता नहीं कंस से, लेकिन फिर भी डर है बारम्बार
कहीं अल्ट्रासाउन्ड करवाकर माता, मुझको न दे मार।

आओ हम सब मिलकर सोच बनाएं कि हम बेटियों को जिन्दगी की जंग नहीं हारने देंगे।

-सुनीता मेहता, *सेक्रेटरी स्त्री विंग, जीएमएस, मो. 09891637406*

मोहयाल मित्र में रचनाएँ भेजने के पश्चात् प्रकाशन के लिए दो माह तक प्रतिक्षा करें। इसके पश्चात् ही कार्यालय से संपर्क करें। कृपया समस्त रचनाएँ-रिपोर्ट साफ-साफ लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। पोस्ट कार्ड या छोटे-छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर रचनाएँ न भेजें। ई-मेल से भेजी रचनाएँ और रिपोर्ट साफ-साफ लिख कर भेजें।

श्री रामधन पाहव की स्मृति में मोहयाल आश्रम वृंदावन में कमरे के लिए दान

श्री रामधन पाहवा का जन्म 15 जुलाई 1926 को झंग मघियाना (अब पाकिस्तान) में हुआ। वह बचपन से ही कुशाग्र बृद्धि के थे। जब वह 10 वर्ष के थे, उनके पिताजी का देहांत हो गया। पिताजी के देहांत के बाद अनेक कठिनाईयों का सामना करने के बावजूद लाहौर के 'सनातन धर्म कालेज' से उन्होंने बी.ए. की डिग्री ली।

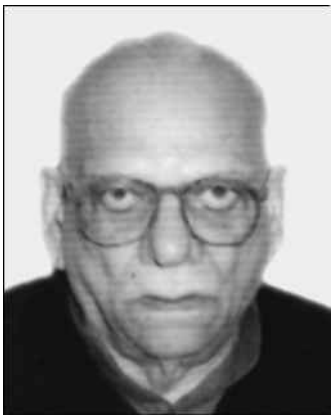

विभाजन के बाद दिल्ली आकर कई सरकारी विभागों में कार्य करने के बाद सी.आर.आर.आई. (सैन्ट्रल रोड रिसर्च इन्सीट्यूट) से 31 जुलाई 1984 को सेवानिवृत्त हुए। वह बहुत ही ईमानदार, अनुशासनप्रिय एवम् कर्मठ व्यक्ति थे। शिक्षा का महत्व बखूबी समझते थे। अपनी चारों पुत्रियों को भी उन्होंने यही संस्कार दिए।

84 वर्ष की आयु में 18 जुलाई 2010 को कुछ ही दिनों की बीमारी के बाद उनका देहांत हो गया। उनकी पत्नी श्रीमती कृष्णा पाहवा एक धर्मपरायण महिला हैं, जो रक्षा मंत्रालय में कार्य करने के बाद सेवानिवृत्त हो चुकी हैं। अब उनका सारा समय भगवान की सेवा में व्यतीत होता है।

मेरे पिताजी श्री रामधन पाहवा जी के देहान्त के बाद हम सबकी हार्दिक इच्छा थी कि उनके निमित्त एक कमरे के निर्माण में सहयोग दिया जाए। इस कारण मैं और मेरी माताजी 3.07.2014 को मोहयाल आश्रम, वृंदावन गए। बांकेविहारी मंदिर में दर्शन करने के बाद कुछ समय आश्रम में व्यतीत किया और लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। वहाँ के मैनेजर श्री एस.के. शर्मा तथा उनकी पत्नी बहुत प्रेम से हमसे मिले और सारा आश्रम दिखाया। वहाँ की वातावरण देख कर हमें असीम शाँति का अनुभव हुआ। ऐसा लगा मानों हम अपने परिवार में आए हों। और हमने कमरे के निर्माण में सहयोग देने का निश्चय किया। इस निमित ढाई लाख रुपए का चैक मेरी माताजी श्रीमती कृष्णा पाहवा जी 64, विज्ञान लोक दिल्ली–92 ने दिया।

-अंजू लौ *(पुत्री), मो. 09899915673*

स्वागत करने के अनोखे तरीके

- तिब्बत के लोग जीभ निकालकर स्वागत करते हैं।
- जापान के लोग एक–दूसरे से मिलते समय जूते के फीते खोल लेते हैं।
- अरब के लोग मिलते समय एक दूसरे के पाँव चूमते हैं।
- न्यज़ीलैण्ड के लोग मिलते समय एक–दूसरे की नाक से नाक रगड़ते हैं।
- नाइजीरिया के लोग मिलते समय एक–दूसरे को मुक्का दिखा कर स्वागत करते हैं।
- इंग्लैण्ड के लोग मिलते समय हाथ मिलाते हैं।
- सबसे निराला और सुन्दर अन्दाज है। भारत का जहाँ लोग हाथ जोड़कर स्वागत करते हैं। ***-मानसी दत्ता–IX*** *पटेल नगर, सहारनपुर*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सांई पादुका का विमोचन

सहारनपुर! विगत दिनों अंबाला रोड स्थित होटल राजमहल में देहरादून से प्रकाशित राष्ट्र का मोह के संपादक एवं समाजसेवी रवि

बख्शी द्वारा हिन्दी मासिक 'सांईं पादुका' मासिक पत्रिका श्रद्धाभाव से विमोचन हुआ।

विमोचन का शुभांरम्भ बच्चों द्वारा "इतनी शक्ति हमें देना दाता" भजन से हुई, तत्तपश्चात वरिष्ठ पत्रकार रवि बक्शी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने सम्बोधन में कहा साईं पादुका समाज में एक आदर्श मासिक पत्रिका के रूप में पढ़ी जायेगी। इसमें सबका मालिक एक का संदेश देने वाले श्री सांईंबाबा का चरित्र घर–घर पहुँचेगा और सांईं भक्तों की अनेक जिज्ञासाओं को पूर्ण किया जाएगा। सभी अतिथिओं व गणमान्य लोगों ने सांईं पादुका का विमोचन किया।

इस समारोह में मुख्य रूप से साहित्यकार, पत्रकार बंधु, व्यापारी, राजनेता व काफी संख्या में मोहयाल भाई–बहिन उपस्थित रहे।

-मुकेश दत्ता, *सहारनपुर*

गौ दुग्ध व घी अमृत समान

प्राचीनकाल से ही गाय व गाय के दूध से बनी चीजों का बहुत महत्व रहा है। गाय की रीड में "सूर्यकेतु" नामक नाड़ी होती है जो सूर्य की रोशनी में जागृत होती है, इसी कारण गाय रोशनी में रहना पसन्द करती है। यह नाड़ी सूर्य की किरणों द्वारा रक्त में स्वर्णक्षर (दूध) बनाती है, इसीलिए गाय का दूध, मक्खन, घी सोने जैसी पीली चमक वाला होता है। गाय के दूध में जो तत्व पाए जाते हैं वे माँ के दूध के अतिरिक्त किसी पदार्थ में नहीं पाए जाते। इसीलिए दोनों को ही माँ, माता नाम से सम्मानित किया गया है।

गाय का घी मस्तिष्क व हृदय की छोटी से छोटी नाड़ियों में पहुँच कर शक्ति देता है। इसे नासिका में प्रयोग करने से दिमाग में स्थिरता, व हमारा व्यवहार शांत व ठंडा रहता है। गाय का घी कोले स्ट्रॉल को भी कम करता है और नियन्त्रण में रखता है। इसके सेवन में हृदय पर भी असर नहीं होता। गोदुग्ध और गौमूत्र से असाध्य रोगों का इलाज भी किया जाता है। गाय के दूध से बनी छाछ के सेवन से भांग, चिलम, शराब, गाँजा जैसे नशे का प्रभाव कम होता है और नियमित छाछा पीने से नशे की इच्छा समाप्त हो जाती है।

रंजना छिब्बर, *इन्द्रपुरी, नई दिल्ली (मो.) 9910695790*

जन्मदिन पर बधाई

बेबी यशिका बाली सुपुत्री श्रीमती इन्दु बाली व श्री पंकज बाली निवासी 43 प्रेम नगर, अंबाला शहर के 5वें जन्मदिन पर 05.07.2014 के उपलक्ष्य पर इसकी बहन ध्रुवी बाली (पायल) ने एक सौ एक रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर व एक सौ एक रुपए स्व. रायज़ादा अनन्त राम बाली के विधवा फंड ट्रस्ट हेतु भेंट किए।

–पंकज बाली, महासचिव मोहयाल यूथ विंग अंबाला व सदस्य जीएमएस मैनेजिंग कमेटी

वैवाहिक वर्षगांठ पर बधाई

श्री विरेन्द्रपाल बाली व श्रीमती आशा बाली निवासी 43, प्रेमनगर अंबाला शहर की 35वीं सालगिरह दिनांक 14.10.2014 के उपलक्ष्य पर इनकी पोतियाँ बेबी यशिका बाली व बेबी ध्रुवी बाली (पायल) ने एक सौ एक रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर व एक सौ एक रुपए स्व. रायज़ादा अनन्तराम बाली मैमोरियल विधवा फंड ट्रस्ट में भेंट किए।

-पंकज बाली, *महासचिव मोहयाल यूथ विंग अंबाला व सदस्य जीएमएस मैनेजिंग कमेटी*

शराब पी के गाड़ी न चलाएं

दिन हमारे हादसों मुसीबतों के गुजर क्यूँ नहीं जाते!
सड़क घटनाओं को देख सिमटे हुए बैठे हैं बिखर क्यूँ नहीं जाते।
खौप खाते हैं हादसों को देख जब इनसे अपने मरने की बात सोचते हैं!
हम दूसरों के हुए हादसों से सबक क्यूँ नहीं ले पाते!
खुद पिए जा रहे है बेखौफ घर जाने का पता नहीं!
दूसरों को नसीहत देते हो बस करो अब घर क्यूँ नहीं जाते!
ये हादसों के शहर दरिया के तूफान की तरह निगल रहे हैं सबको!
इन रोज की घटनाओं से तुम सहम क्यूँ नहीं जाते!
महफ़िल में पी ली है लड़खड़ाते जा रहे हो बुला लो किसी को घर से
तुम दो घड़ी ठहर क्यूँ नहीं जाते!
शराब पी गाड़ी चला तुम चढ़ रहे हो मौत और कानून की निगाह में!
सड़क नियमों की पालना कर सबके दिलों में उतर क्यूँ नहीं जाते!
एक दिन तुम भी न आ जाओ शराब पी हादसों की लिस्ट में!
राजिंदर मेहता बस करो अब सुधर क्यूँ नहीं जाते...!!

-राजिंदर मेहता, *जलंधर शहर*

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

माँ

माँ तुम कहाँ छुप गई हो,
माँ तुम कभी भूलती नहीं हो,
जितना भी हम तुम्हारे लिए करें,
माँ फिर भी बहुत कम है।
तुमने उंगली पकड़कर चलना सिखाया,
मृद कंठ से माँ बोलना सिखाया,
गलती करने पर डांटना, तुम्हारा मनाना,
माँ हम कैसे भूल सकते हैं।।
स्वयं भूखे रहकर हमें खाना खिलाना,
हमारी सभी इच्छाओं का ख्याल रखना,
माँ तुम ही कर सकती थी,
उच्च विचार माँ तुमने ही दिए थे।
स्वयं शिक्षित न होने पर हमें,
उच्च शिक्षा माँ तुमने दिलवाई थी,
तुम्हारे परिश्रम का यह फल था।
आज माँ यह तुम्हारा आशीर्वाद है।
तुम्हारे ऋण को हम कभी भी,
नहीं चुका सकते हैं प्यारी माँ,
उठते, बैठते, कभी नहीं भूला सकते,
तुम कहाँ छुप गई हो माँ।
यदि माँ तुम्हारा, पुनर जन्म हो,
माँ तुम्हारी ही कोख से हो,
तुम जहाँ हो, तुम्हारी आत्मा को,
शांति मिले, शांति मिले, शांति मिले।।

*–**श्रीमती कृष्णलता छिब्बर,** सेक्रेटरी रिश्ते–नाते, जी.एम.एस. मो. 9968667740*

शुभ विचार

गिरती दीवारों की अब रंगाई क्या करें,
सड़े हुए कपड़ों की अब सिलाई क्या करें,
क्रोध और अहंकार ने कोहराम ही कोहराम मचाया है,
ऐसे लोगों की अब बढ़ाई क्या करें।

क्रोध का परिवार

क्रोध की लाडली बहन	–	जिद
क्रोध की धर्मपत्नी	–	हिंसा
क्रोध का सबसे बड़ा भाई	–	अहांकार
क्रोध के पिता	–	भय
क्रोध की माँ	–	उपेक्षा
क्रोध का बेटा	–	वैर
क्रोध की बहू	–	ईर्ष्या
क्रोध की तीन बेटियाँ	–	निंदा, घृणा, चुगली

तो आप ही सोचिए अगर आप क्रोध को अपने घर बुलाते हैं तो क्रोध का साथ परिवार बिना बुलाए ही आ जाएगा।
हमने तो आपको क्रोध के परिवार से मिलवा दिया। अब आपकी ही इच्छा है कि आप क्रोध को अपने घर रखना चाहते हैं या नहीं!

REMEMBER

When you are in Anger you are just one letter short of Danger! While you are Good to others you are just one letter short of God!

*—**Yukti Mehta (Mohan) VII**th*
935/A, Faridabad, Mob.: 9971465547

वक्त का पहिया

वक्त का पहिया चलता है,
बड़ा तेज दौड़ता है।
जो ना करे इसका आदर,
वो चूर–चूर हो जाता है।।
बर्बादी समय की एक सुनामी है,
जो डूब के ले जाती है।
समर्थ के साथ चलने पर,
नैया पार लग जाती है।।
वक्त का है किसको पता
कल क्या हो किसने जाना,
दिन में जागना या रात में सोना,
जीवन–मरण का समय किसको है पता।।
आज जीवन कल मृत्यु होगी,
दुःख और सुख का दिलवाता ज्ञात।
कभी दिखाता अच्छा वक्त, कभी दिखाता बुरा वक्त,
सुख तो चला जाता है पल भर में,
दुख का तो बड़े दिनों तक हो जाता है वास।
ये वक्त कभी भी डस जाएगा,
कभी रुलाएगा कभी हंसाएगा।
जो समय के खेल को समझे,
वह मनुष्य कहलाएगा।।

–राघव मेहता (लौ) पुत्र राजेश मेहता
बी–5 105, पश्चिम विहार, नई दिल्ली, फोनः 011–45513313

सैम्पल

एक नेताजी के घर
एक साथ तीन बच्चे पैदा हुए।
एक बहरा, एक गूंगा, एक अन्धा
नेताजी घबरा गए।
ये गाँधी जी तीन बंदर मेरे घर कैसे आ गए
उन्होंने कहा कि ऐ बजरंग बली
इन भिखारियों को जन्म देने के लिए तुझे और जगह नहीं मिली।
आवाज आई।
"आजादी के बाद आम आदमी को मिला है–
बहरा कानून, गूंगा विद्वान और अन्धी योजनाएँ
बेटा तू बेकार ही घबराया है,
मैंने तो बच्चों के रूप में तेरे पास सिर्फ 'भारत वर्ष' का एक सैम्पल भिजवाया है।

***–बख्शी करन दत्ता,** सहारनपुर*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 15 अगस्त 2014 को श्री भूपिंदर सिंह दत्ता जी की अध्यक्षता में श्री नरिंदर छिब्बर के थर्मल कालोनी स्थित निवास स्थान पर सम्पन्न हुई। मोहयाल प्रार्थना तथा गायत्री उपासना के पश्चात् निम्नलिखित सदस्यों के निधन पर शोक प्रकट कर उनकी आत्मिक शांति के लिए प्रार्थना की गयी–

1. श्री ए.एस. मेहता (भिमवाल), सेवानिवृत्त अधीक्षक अभियंता, बिजली बोर्ड का फरीदाबाद में निधन हो गया था। वे श्री नरिंदर छिब्बर के ताया जी थे।

2. श्री राम प्रकाश मेहता (छिब्बर) जी का 24 जुलाई, 2014 को यमुनानगर में अकस्मिक निधन हो गया था। वे सभा सचिव श्री नरिंदर छिब्बर के पिता जी थे।

सदस्यों ने श्री राम प्रकाश जी को फूल भेंट कर अपनी श्रद्धा अर्पित की। मोहयाल सभा पानीपत की ओर से सर्वश्री कैलाश वैद, ऋत मोहन, भूपिंदर दत्ता, नवीन वैद, लवनीश मेहता, बृजमोहन छिब्बर इत्यादि ने उनके अंतिम संस्कार तथा रस्म–पगड़ी में भाग लिया था। श्री ऋत मोहन ने कहा कि इस दुनिया से जाना तो सभी को है लेकिन अच्छे कर्म व व्यवहार वाले व्यक्ति को दुनिया बाद में भी याद रखती है। उन्होंने कहा कि रस्म–पगड़ी के दिन उमड़ी भीड़ को देख कर उन्हें परिवार के द्वारा बनाई गई साख का अंदाजा हुआ।

श्री नवीन वैद व प्रवीण वैद जी ने ग्रामीण इलाकों में बसे हुए मोहयालों को ढूँढने तथा उनकी सहायता करने की बात की। इस पर श्री ऋत मोहन जी ने बताया कि स्वयं श्री बी.डी. बाली जी की भी यही इच्छा है कि अंबाला तथा यमुनानगर के आसपास के मोहयालों को मुख्य धारा में लाया जाए। श्री विजय मेहता ने रिश्ते–नाते में आ रही दिक्कतों का जिक्र किया। श्री राजेंदर दत्ता जी के बेटे की शादी हाल ही में फरीदाबाद में हुई है। सभी ने परिवार को मुबारकबाद दी।

अंत में शांति पाठ के साथ सभा संपन्न हुई।

■ सभा की मासिक बैठक 14 सितम्बर 2014 को श्री लवनीश मेहता जी के उग्रसेन कालोनी स्थित निवास स्थान पर प्रधान श्री कैलाश वैद जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

सर्व प्रथम मोहयाल प्रार्थना की गई, तत्पश्चात तीन बार गायत्री महामन्त्र का उच्चारण किया गया। मीटिंग में नई कार्यकारिणी के गठन की बात उठी, जिस पर की सर्वसम्मति से श्री कैलाश वैद जी को प्रधान चुना गया। जी.एम.एस. सदस्य श्री ऋत मोहन ने सर्वसम्मति पर अपनी खुशी जताते हुए बाकि सदस्यों को तथा यूथ व महिला विंग के सदस्यों का चुनाव भी इस प्रकार करने की कही। नयी कार्यकारिणी इस प्रकार से है–

प्रधानः श्री कैलाश वैद, **कार्यवाहक प्रधानः** श्री ऋत मोहन
वरिष्ठ उपप्रधानः श्री भूपेन्द्र कुमार दत्ता, **उपप्रधानः** सर्वश्री प्रवीण वैद, बृजमोहन छिब्बर, राजकुमार दत्ता व राजन दत्ता जी।

महासचिवः श्री नरेन्द्र छिब्बर, **सचिवः** श्री भूपेन्द्र सिंह दत्ता

यूथ विंगः श्री नवीन वैद–प्रधान, श्री जितेन्द्र मेहता–उप्रपधान, श्री जितेन्द्र छिब्बर–उपप्रधान, श्री लवनीश मेहता–महासचिव, श्री सुमित मेहता–सचिव, श्री भारत मेहता–कोषाध्यक्ष।

महिला विंगः श्रीमती प्रवीण मेहता–प्रधान, उपप्रधान–श्रीमती सुनीता मोहन, श्रीमती पूनम वैद, श्रीमती ऊषा दत्ता, श्रीमती निशा दत्ता महासचिव–श्रीमती अंजू छिब्बर, सचिव–श्रीमती पूजा मेहता, श्रीमती नीलम दत्ता, प्रचार सचिव–श्रीमती रजनी वैद, श्रीमती बबीता वैद, कोषाध्यक्ष–श्रीमती नीलम मेहता जी।

सदस्यों ने एक–दूसरे को बधाई देते हुए जीएमएस की ओर अधिक मजबूत करने की बात कही। सदस्यों को जानकारी दी गई, कि इस बार जीएमएस की एजीएम नवम्बर माह में होने की संभावना है अतः सभी स्थायी सदस्य इसमें अवश्य शामिल हो।

श्री राजिन्द्र दत्ता जी पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे हैं, उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई। श्री भूपेन्द्र सिंह दत्ता को चोट लगी हुई है, उनके भी जल्दी ठीक होने की कामना की गई।

श्री भूपेन्द्र दत्ता जी ने मीटिंग के दौरान चाय–नाश्ता के सामान में कमी करने की बात कही। जिसपर की सभी ने सहमति जताई।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई। जलपान की व्यवस्था तथा मीटिंग के लिए श्रीमती प्रवीण मेहता, श्रीमती पूजा मेहता, श्रीमती नीलम दत्ता, श्रीमती स्नेहलता, श्री लवनीश मेहता व श्री सुमित मेहता जी का धन्यवाद किया गया।

–नरिंदर छिब्बर, *सचिव (मो.) 9416412184*

प्रेमनगर (देहरादून)

सभा की मासिक बैठक 27.7.2014 को श्री हर्षवीर मेहता (उपप्रधान) जी के निवास स्थान पर श्री डी.एन. दत्ता, प्रधान की अध्यक्षता में 20 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के पश्चात आरम्भ की गई। श्री राजेश बाली सचिव ने गत माह कि कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा श्री जे.एस. दत्ता जी ने आय–व्यय का ब्यौरा दिया सभी ने इसका अनुमोदन किया।

एफ.आर.आई. के निदेशक डॉ. पी.पी. भोज वैद जी की माता श्रीमती कान्ता वैद जी के निधन पर दो मिनट का मौन रखकर शोक व्यक्त किया गया तथा निजी तौर पर भी शोक व्यक्त करने निदेशक महोदय जी के निवास पर जाने की सहमति जतायी गई। तीन जरूरतमंद महिलाओं श्रीमती माधवी दत्ता, श्रीमती बलबीर कौर दत्ता, व श्रीमती विद्यावन्ती बाली को 750 रु. (तीन माह के) वितरित किए गए। श्री रमेश दत्ता जी ने सितम्बर 2014 को वाल्वो बस द्वारा माता वैष्णों देवी (जम्मू) जाने का सुझाव दिया, सभी ने सहमति जतायी।

श्री हर्षवीर मेहता, उपप्रधान तथा जीएमएस के आजीवन सदस्य ने सभा को 500 रु. अपनी माता जी की दूसरी पुण्य–तिथि पर तथा 500 रु. जरूरतमन्द कन्या की विवाह फंड में भेंट किए गए। श्रीमती एवं श्री रमेश दत्ता तथा श्रीमती नीरू छिब्बर ने भजन सुना कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

अन्त में श्रीमती एवं श्री हर्षवीर मेहता ने स्वादिष्ट नाश्ता करवाने पर

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

उनका धन्यवाद किया गया। अगली बैठक श्री रमेश दत्ता जी के निवास स्थान पर होगी।

■ मोहयाल सभा प्रेमनगर द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में श्री सनातन धर्म मन्दिर प्रेमनगर में दिनांक 16 अगस्त 2014 को

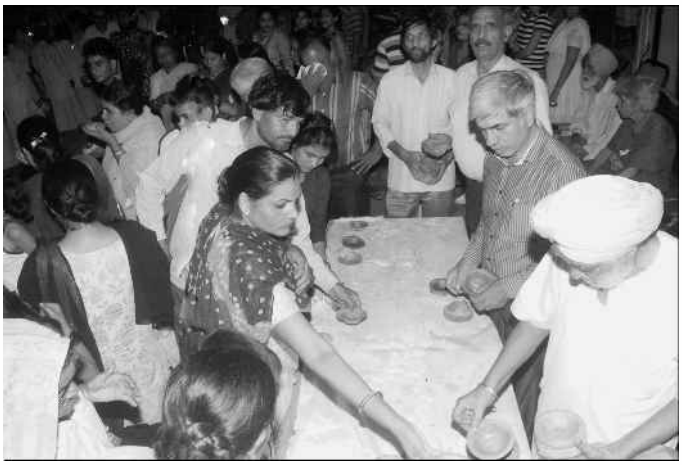

निकाली गई, शोभायात्रा के अवसर पर खीर के प्रसाद का वितरण किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती एवं श्री डी.एन. दत्ता, श्री हर्षवीर मेहता, करन मेहता, श्री राजेश बाली सचिव, श्री जे.एस. दत्ता, श्री सुमित वैद, श्री बोनी बाली, श्री उदय दत्ता, श्री महेन्द्र दत्ता, मा. हार्दिक बाली, श्री नरेन्द्र लौ, श्रीमती कविता दत्ता, श्रीमती पूजा दत्ता आदि का सहयोग रहा। श्री जी.एस. दत्ता, श्री रमेश दत्ता एवं उनके परिवार ने खीर के प्रसाद हेतु विशेष योगदान दिया।

प्रेमनगर व्यापार मण्डल तथा श्री सनातन धर्म मन्दिर की कार्यकारिणी में मोहयाल सभा प्रेमनगर की धार्मिक कार्य की सराहना की।

-राजेश बाली, *सचिव (मो.) 9758135583*

स्त्री मोहयाल सभा यमुनानगर

स्त्री सभा की मासिक बैठक श्रीमती अनिता जी के निवास स्थान पर हुई, गायत्री मंत्र के साथ सभा की कार्यवाही शुरू हुई। सभा में सभी बहनों ने भाग लिया, सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की। सभा में जिन बहनों की जीएमएस की तरफ से पेंशन लगी थी। वह बहनों ने सभा में आकर सभा और जीएमएस को धन्यवाद किया। स्त्री सभा की 6 बहनों की पेंशन जीएमएस द्वारा लगाई गई।

सभा में बहनों ने रायज़ादा बी.डी. बाली जी और जीएमएस की टीम का धन्यवाद किया, ऐसे ही मोहयाल बिरादरी के लिए कार्य करते रहे। श्रीमती भगीरथी बाली, श्रीमती बाला मेहता, श्रीमती सुनिता दत्ता, श्रीमती प्रेम दत्ता और श्रीमती सुरक्षा मेहता ने अपने विचार रखे।

शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सचिव*
फोनः 01732–226799

अम्बाला कैंट

सभा की मासिक बैठक 7.09.2014 को 12 अग्रवाल कम्पलैक्स में श्री आई.आर. छिब्बर, प्रधान की अध्यक्षता में 16 मोहयाल सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त, प्रधान आई.आर. छिब्बर व पूरे सदन ने जम्मू–कश्मीर में आई मूसलाधार वर्षा व बाढ़ से प्रभावित विस्थापित लोगों के प्रति सहानुभूति प्रकट की, साथ इस आपदा में जिन वासियों ने अपनी जान खो दी उनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रख कर प्रभु से प्रार्थना की। यह भी निश्चय किया कि प्रधान मंत्री राहत कोष के लिए सभा की ओर से 3000 रुपए की राशि भेज दी जाए।

जन्मदिन पर बधाईः सदन ने मोहयाल रत्न श्री बी.डी. बाली के 11 अगस्त को मनाए गए जन्मदिन पर बहुत–बहुत मुबारकवाद दी तथा दीर्घायु की कामना की तथा मोहयाल बिरादरी के मार्गदर्शक बने रहने के लिए जय मोहयाल के नारों से संदेश दिया।

श्री आई.आर. छिब्बर जी का जन्मदिन 7.9.2014 को सभा की मीटिंग में भांति–भांति की मिठाई के साथ मनाया गया। उपस्थित मोहयालों ने प्रधान जी को ढेर सारी बधाई दी तथा लंबी आयु की प्रभु से कामना की। इस अवसर पर प्रधान जी ने सभा को 500 रु. दान राशि भेंट की।

महासचिव एम दत्ता ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। प्रधान जी ने सुझाव दिया, जो लोकल सभा की विधवाओं के लिए धन राशि इकट्ठी करते रहे हैं। इसमें सदस्यों की उदासीनता का संज्ञान लेते हुए विधवा शब्द की बजाए "निर्धन सहायता फंड" रखा जाए, इस सुझाव का स्वागत किया गया। श्री बी.के. वैद जिनका आँख का अप्रेशन कुछ दिन पहले हुआ है, शीघ्र शत् प्रतिशत स्वस्थ होने को हुआ है। हलांकि उन्होंने मीटिंग में उपस्थित हुए तथा सभा को 100 रुपए भेंट किए।

एक बार फिर मोहयाल मित्र न मिलने की शिकायत आई, कि कर्नल जे.बी. मेहता को मोहयाल मित्र नहीं मिली।

दान राशिः सर्वश्री आई.आर. छिब्बर 500 रु., एचएफओ एम.एल. दत्ता 200 रु., डी.वी. बाली 200 रु., कमां. पी.आर. मेहता 200 रु. दीपक दत्ता 100 रु.।

अगली मीटिंग श्री दीपक दत्ता जी के निवास स्थान पर 5.10.14 शाम 4:30 बजे करने का निर्णय लिया गया। तथा प्रधान जी की अनुमति से सभा समाप्त हुई।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
फोनः 0171–2660305 *मो. 9896102843*

उत्तम नगर (नई दिल्ली)

सभा की मासिक मीटिंग 7.09.2014 को श्री एस.पी. वैद महासचिव जी के निवास स्थान मन्साराम पार्क में प्रधान श्री आर.के. मोहन की अध्यक्षता में 18 सदस्यों ने भाग लिया। गायत्री मंत्र तथा मोहयाल प्रार्थना के उपरान्त पिछली मीटिंग की कार्यवाही का अनुमोदन करते हुए, प्रधान आर.के. मोहन ने बताया कि मीटिंग में न पहुँचने वाले कुछ सदस्यों के घर–घर जाकर उनसे सभा की कार्यवाही में शामिल होने का अनुरोध किया जा रहा है। जी.एम.एस. द्वारा

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

अनुमोदित उत्तम नगर मोहयाल सभा ही क्षेत्र के मोहयालों द्वारा मान्य है, इसकी वास्तविकता भी घर–घर पहुँचाने का कार्य किया जा रहा है। जी.एम.एस. द्वारा दी जाने वाली प्रत्येक सहायता, क्षेत्र की मोहयाल सभा द्वारा ही अनुमोदित करने पर प्राप्त की जा सकती है।

हमारे विद्वान तथा अनुशासित मोहयाल बुजुर्गों द्वारा स्थापित तथा सदियों से निरन्तर श्रेष्ठता की ओर अग्रसर जनरल मोहयाल सभा पर कीचड़ उछालने वालों के दिमागी संतुलन का अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। क्षेत्र के निवासी मोहयालों से अनुरोध है कि बुजुर्गों का सम्मान और सम्मान के लाइन में अन्तर न कर पाने वाले विभ्रमित मोहयालों की अक्ल से सहानुभूति का व्यवहार रखें क्योंकि वे भी ईश्वर का दिया बुद्धि कार्य ही कर रहे हैं। विद्वान बुजुर्गों का कहना है कि मृदभाषी, अपने घर में सम्मानित व्यक्ति ही सफल समाज सेवक हो सकता है। अपना घर ठीक करके ही समाज को राह दिखाने का दम भरा जा सकता है। श्रेष्ठ संस्कारी व्यक्तित्व ही नई पीढ़ी को अच्छे संस्कार दे सकता है। अमर्यादित जन तो समाज पर बोझ के समान ही हुआ करते हैं।

प्रधान आर.के. मोहन ने बताया कि उत्तम नगर सभा के संचालन में युवाओं की भागीदारी और अधिक करने का प्रयास किया जा रहा है। प्रचार सचिव श्री विनीत बक्शी को युवा साथियों को मोहयाली तहजीव में प्रायश्चित करने का कार्य सौंपे जाने पर विनीत बक्शी ने आदरपूर्वक सभा को बताया कि बुजुर्गों की प्रेरणा से रहित मोहयाल अक्सर सन्मार्ग से भ्रमित होते देखे गए हैं।

श्री विनोद बक्शी जी के निवास स्थान पर गणपति भगवान की स्थापना के उपलक्ष्य में मोहयाल सभा सदस्यों ने भक्ति भाव से सामुहिक पूजा कर आशीर्वाद स्वरूप प्रसाद ग्रहण किया। इसी उपलक्ष्य में एक सौ एक रु. जीएमएस और एक सौ एक रुपए लोकल सभा को भेंट किए।

मृदल बक्शी सुपुत्र श्री सत्यप्रकाश बक्शी की मृत्यु की तीसरी बरसी पर दो मिनट का मौन रखा गया। मृदल बक्शी की मृत्यु हाईकोर्ट बम बलास्ट की घटना में हुई थी। उन्होंने 100 रु. जीएमएस और 100 रु. उत्तम नगर सभा को भेंट किए। श्री एस.पी. वैद जी ने अपनी दोहती आल्या गोयल के जन्मदिन के उपलक्ष्य सुपुत्री रिचा वैद गोयल तथा मोहित गोयल द्वारा एक सौ एक रु. जीएमएस और एक सौ एक रुपए लोकल सभा को भेंट किए।

सर्वसहमति से दो माह में एक बार मीटिंग करने का प्रस्ताव पास किया गया। अगली मीटिंग 2.11.2014 को होनी निश्चित हुई। समय तथा स्थान की जानकारी समय पर दे दी जाएगी।

आर.के. मोहन, *प्रधान (मो.) 9654941010*

फरीदाबाद

फरीदाबाद मोहयाल सभा की मासिक बैठक 7 सितंबर 2014 को मोहयाल भवन में श्री रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 32 भाई–बहनों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना के बाद उमेश मेहता की माता श्रीमती वेद कुमारी पत्नी श्री ओम प्रकाश मेहता जी के निधन के लिए दो मिनट का शोक रखा गया और प्रभु से प्रार्थना की भगवान उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़कर सुनाई। उन्होंने बताया कि डॉ. मनोज मेहता जी ने युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए एक स्कीम बनाई है। उन्होंने विस्तार से सभी को उस स्कीम के बारे में बताया है। सभी ने अपने–अपने विचार रखे और बताया कि इसके बारे में बाद में विचार किया जाए। बाली साहब ने बताया कि भाई पृथ्वी राज छिब्बर जी को आजकल जो महाराष्ट्र में रहते हैं उनका जन्मदिन 6 अगस्त को हैं सभी ने उनके जन्मदिन पर दीर्घ आयु की कामना की।

रमेश दत्ता प्रधान की अध्यक्षता में कार्यकारिणी की बैठक हुई। जिसमें विनय बक्शी, सुरजीत मेहता, के.एस. बाली, ओ.पी. दत्ता, मिथलेश दत्ता, बलराम दत्ता ने भाग लिया और विनय बक्शी के कार्यकारिणी के सदस्यों को एक सुझाव दिया जो फरीदाबाद के मोहयाल स्वर्ग सिधार गए हैं, उनकी याद में पितृ पक्ष (श्राद्ध) में लंगर फण्ड की राशि वृंदावन, हरिद्वार में दिया जा। जिसका सबने सराया और 7 सितंबर की मासिक बैठक में यह प्रस्ताव रखा जाय।

रमेश दत्ता जी ने सभी को बताया कि 9 तारीख श्राद्ध आने वाले हैं। हमारी कमेटी ने निर्णय किया है कि 11–11 हजार के दो लंगर फंड हरिद्वार और वृंदावन में भेजे जाएं। फरीदाबाद के जो मोहयाल स्वर्गवास हो चुके हैं यह लंगर फंड उनकी याद में भेजा जाए "In the loving memory of all the Deceased Mohyal of Faridabad" जिसकी सभी भाई–बहनों ने एक सवर में स्वीकृति दे दी। जिनकी दिनांक 24 सितंबर लंगर तारीख रखी गई है।

बलराम दत्ता जी ने सभी को बताया कि हमारे प्रधान जी का जन्मदिन 13 सितंबर को है और उनके बेटे की शादी सालगिरह 13 सितम्बर को है। आज का भोजन उनकी तरफ से है। सभी ने उनको मुबारकबाद दी और श्रीमती बाला बाली जी ने भजन सुनाकर उनकी दीर्घ आयु की कामना की और कहा कि वह बढ़ चढ़कर कौम की सेवा करते रहें।

मिथलेश दत्ता जी ने निम्न राशि एकत्र की। भाई पृथ्वी राज छिब्बर जी ने 1100 रुपए, उमेश मेहता ने अपनी माता श्रीमती वेद कुमारी की याद में 500 रुपए श्री आर.सी. दत्ता जी ने, 500 रु. और 100 रु. सतीश दत्ता ने सभा को सहयोग राशि के रूप में दिए।

सुरजीत मेहता जी ने बताया कि बैठक 5 अक्तूबर को भवन में ही होगी। उन्होंने सभी की तरफ से रमेश दत्ता जी को मुबारकबाद दी और सभी ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया। रमेश दत्ता जी ने सभी को कहा कि अगली बैठक में सभी भाई–बहन एक–एक सदस्य लाएं हम फरीदाबाद के प्रतिभाशाली बच्चों का प्रोग्राम 2 नवम्बर को भवन में ही करें।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — *मो. 9999078425*

रायज़ादा के.एस. बाली, *महासचिव* — *मो. 9899068573*

जगाधरी वर्कशाप

सभा की मासिक बैठक 7 सितंबर 2014 को जंज घर माड्रन कालोनी आई.टी.आई. में सभा के उपप्रधान श्री नरेश मेहता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें लगभग 20 सदस्यों ने भाग लिया। सभा ने मोहयाल सभा यमुना नगर द्वारा आयोजित लोकल मोहयालों के लिए किए गए Get-together को सराहा एवं मोहयाल सभा यमुनानगर का धन्यवाद किया।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सभा के सभी सदस्यों ने अपने–अपने विचार रखे। नरेश मेहता जी ने सुझाव दिया कि सभी मोहयालों को कम से कम अपनी राय का एक प्रतिशत जीएमएस को दान देना चाहिए। सतपाल बाली ने सुझाव दिया कि जी.एम.एस. द्वारा जो माताऐं–बहनों वित्तीय सहायता लेती हैं और समय के अनुसार उनकी आर्थिक दशा ठीक हो गई हो तो उन माताओं–बहनों को अपने आप इस सहायता के लिए इंकार कर देना चाहिए ताकि वह फंड किसी अन्य जरूरतमंद के काम आ सके। सभा के पूर्व प्रधान श्री दिलबाग राय मेहता जी ने सुझाव दिया कि जीएमएस को Housing Society बनाना चाहिए No profit no loss के आधार पर घरों का निर्माण करवाना चाहिए। जिससे जरूरतमंद मोहयालों को रहने के लिए घर मिल सकें।

श्री रमेश मेहता जी ने अपने सुपुत्र रोहन मेहता के जन्मदिवस पर सभा को एक सौ एक रु. दान दिया। यह सभा मेहता जी का धन्यवाद करती है।

स्वर्गीय श्रीमती प्रेमलता छिब्बर धर्मपत्नी श्री सुरेन्द्र नाथ छिब्बर 500, मॉडल कालोनी, यमुनानगर की द्वितीय पूण्य तिथि 15.07.2014 पर परिवार की ओर से मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को 250 रुपए भेंट किए। सभा का समापन गायत्री मंत्र से हुआ।

अक्टूबर माह की मीटिंग 05.10.2014 को जंज घर मॉर्डन कालोनी यमुनानगर में होगी।

सतपाल, *सचिव*
फोनः 0171–2660305

सुरेन्द्र मेहता, *महासचिव*
मो. 9355310880

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक 07.09.2014 शाम 5 बजे सेक्रेटरी रविन्द्र कुमार छिब्बर जी के निवास स्थान पर हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण बाद श्री बलदेव दत्त जी ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन हुआ। इस मीटिंग में 10 भाई–बहनों ने भाग लिया। भाई लक्ष्मणदेव छिब्बर जी ने सेक्रेटरी रविन्द्र कुमार छिब्बर जी को जलपान का धन्यवाद किया।

पहली पुण्य-तिथि पर श्रद्धांजलिः श्रीमती राजकुमारी दत्त धर्मपत्नी श्री करतार चन्द दत्त की प्रथम पुण्य–तिथि 6.08.2014 को निवास स्थान दोसड़का (हरियाणा) में हवन का आयोजन किया गया। स्वर्गीय राजकुमारी दत्त का भगवान में अटूट विश्वास था तथा वह धार्मिक स्थलों की थी। उनके परिवार में उनके पति श्री करतारचन्द दत्त व उनके चार पुत्र राजेश दत्त, राजीव दत्त, संजीव दत्त, धर्मेन्द्र दत्त व उनकी बहुएँ, पौत्र–पौत्री, उनको याद करते हैं। उनकी प्रथम पुण्य–तिथि पर समस्त परिवार ने 500 रुपए जी.एम.एस. और 600 रुपए मोहयाल सभा बराड़ा को भेंट किए हैं।

रविन्द्र कुमार छिब्बर, *सेक्रेटरी (मो.) 9466213488*

ये हथियारों के सौदागर

ये हथियारों के सौदागर,
नहीं किसी के मीत हैं।
इनका मकसद अपना उल्लू,
नहीं किसी से प्रीत है।।

तेरे–मेरे कातिल हैं ये,
पक्की बूचड़ हासिल है।
इनके सारे तौर–तरीके,
इन पर सब नाजिल हैं।।

यों तेरा लूटा–मेरा लूटा,
दुनिया के साहुकार हैं।
धन–गन के ये सर्वे–सर्वा,
ये तेरे–मेरे भगवान हैं।।

उंगली थाम पौंचा पकड़ा,
जकड़ा आलम सारा।
बाहर वाले आका हो गये,
यह देखा अजब नजारा।।

अपने–अपने स्वार्थ में,
हमें कहाँ यह होश है।
गलती है सब तेरी–मेरी,
नहीं उनका कुछ दोष है।।

सलामती चाहो गर बच्चों की,
और अमनौ–चैन।
बंद करो भाई लड़ना–भिड़ना,
और तरेड़ना नैन।।

–अशोक कुमार दत्ता, *एडवोकेट, अध्यक्ष अखण्ड भारत निर्माण समिति, मेरठ (मो.) 9927846942*

श्राद्ध

श्राद्ध–उचित समय पर शास्त्र सम्मत विधि द्वारा श्रद्धा भाव से मंत्रों द्वारा किया गया दान, दक्षिणा आदि कार्य श्राद्ध कहलाता है। इसके मुख्य देवता; वसु, रुद्र एवं आदित्य हैं।

प्रत्येक मनुष्य के तीन पूर्व पिता, दादा व परदादा क्रमशः वसु, रुद्र, व आदित्य के समान माने जाते हैं। श्राद्ध के समय यह ही पूर्वजों के प्रतिनिधि माने जाते हैं। उचित रीति रिवाज से की गई पूजा–दान आदि से तृप्त होकर हमारे पूर्वजों तक पहुँचा देते हैं। सुख, समृद्धि व स्वास्थ्य का वरदान देते हैं।

श्राद्ध कबः जिस पखवाड़े की जिस तिथि की मृत्यु होती है श्राद्ध के दिनों में उसी तिथि या न पता होने की स्थिति में अमावस्या के दिन सभी पितरों के लिए दान–दक्षिणा पूजा आदि किया जा सकता है।

साधारणतया पुत्र ही अपने पूर्वजों का श्राद्ध करता है। किन्तु जिस व्यक्ति ने पूर्वज की सम्पत्ति पाई हो या जिस गुरू से शिष्य ने शिक्षा पाई हो शिष्य उस गुरू का भी श्राद्ध कर सकता है। पुत्र की अनुपस्थिति में पौत्र या प्रपौत्र श्राद्ध कार्य सम्पन्न कर सकते हैं।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

किन्तु निःसन्तान पत्नि को पति द्वारा, पिता द्वारा पुत्र को, बड़े भाई द्वारा छोटे भाई को पिण्ड दान नहीं दिया जाता है। अपने कुल परोहित द्वारा यह कार्य सम्पन्न करायें।

कुश व तिलः ऐसा माना जाता है कि कुश व तिल श्री विष्णु के शरीर से निकले हैं। ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश कुश में क्रमशः जड़, मध्य एवं अग्र भाग में रहते हैं। अतः कुश का अग्र भाग देवताओं का मध्य भाग मनुष्यों एवं जड़ पितरों का माना जाता हैं। तिल पितरों की प्रिय होता हैं एवं दुरात्माओं को दूर भगाने वाला होता हैं।

मनुष्य के स्थूल शरीर को अग्नि या जल को समर्पित करने के पश्चात् भावनात्मक रूप से "भावना शरीर" की पूजा करके दान–दक्षिण द्वारा उनका सम्मान करके उनसे आशीर्वाद प्राप्त करके अमावस्या की शाम को दीये आदि अपने मुख्य द्वार पर जलाकर उन्हें विदा करते हैं।

–वैद्य विरेन्द्र छिब्बर

स्वर्गीय श्रीमती कमल दत्ता की चतुर्थ पुण्यतिथिः पंद्रह सितंबर

खुद को खोकर हम तीन संतानों को आकार देते देते अचानक निराकार हो गईं हमारी सदा स्मरणीय माँ श्रीमती कमल दत्ता।

उनका जन्म 26 मार्च 1942 को लायलपुर के स्व. श्री गुरचरण दास मेहता तथा स्व. शांति मेहता के घर हुआ। 14 वर्ष की अवस्था में उनका विवाह स्व. श्री रामप्रकाश जी दत्ता (हरिपुर हज़ारा) सुपुत्र स्व. श्री मोहरचन्द जी दत्ता के साथ हुआ। बेहर गोरी, खूबसूरत और जीवन की उन्मुक्तता से भरी किशोरी कमल को जीवन के संघर्ष कभी विचलित नहीं कर पाये। पाँवों के छालों को हौंसलों में बदलती माँ जब तक जीवित रहीं, घर–परिवार, समाज और मोहयाल बिरादरी के साथ साँस सी जुड़ी रहीं। उनके रहते, उनकी ममता की छाया में मुसीबतों की कड़ी धूप भी ठंडी बयार बन जाती थी। राधाष्टमी 15 सितंबर 2010 के चिकित्सकीय लापरवाही ने इस जीवन्त प्रसन्न देह को शान्त कर हम तीनों बहन–भाइयों के जीवन को सदा के लिए अशान्त कर दिया। हमारी प्यास बुझाने वाला स्नेह का झरना आज सूख चुका है। वो कोमल एहसास, वो प्यार भरी थपकी, वो दुलारती पुकार जाने किस आसमान में खो चुके हैं!

मुद्दतें हो गईं हैं ग़म ढोते,
अश्क आँखों से कम नहीं होते।
तेरी याद हुई इबादत, अब
अपनी पूजा में बुत नहीं होते।

श्रीमती कमल दत्ता की स्मृति में उनके दौहित्र श्री प्रणय छिब्बर निवासी 12, पी. एण्ड टी. कालोनी, आगरा की ओर से लंगर फंड हरिद्वार के लिए 11000 रुपए सादर समर्पित किए।

लंगर तिथिः **सितंबर**

पाँचवी पुण्यतिथि

श्री सुरेन्द्र प्रकाश वैद की 5वीं पुण्य–तिथि 26 अक्तूबर 2014 पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता वैद एवं पुत्री पलक वैद ने उनकी याद में जीएमएस के विधवा फंड में 250 रुपए भेंट किए।

श्री सुरेन्द्र प्रकाश वैद पुत्र स्व. श्री मुलकराज वैद एक समाज सेवी एवं कर्त्तव्य परायण व्यक्ति थे, वे हमेशा गरीबों की मदद करते थे, विनम्र स्वभाव के व्यक्ति थे। उनकी याद हर पल हर क्षण हमें सताती है।*–श्रीमती सुनीता वैद, डी–165, गणेश नगर शकरपुर, दिल्ली–110092*

पुण्य-स्मृति

मुदूल बक्शी सुपुत्र श्री स्वर्गीय सत्यप्रकाश बक्शी की तीसरी बरसी जिनका स्वर्गवास 15 सितंबर 2011 को हाई कोर्ट बम बलास्ट में हुआ था। उनकी तीसरी बरसी पर एक सौ एक रु. जीएमएस और एक सौ एक रु. मोहयाल सभा उत्तम नगर उनके भाई विनोद बक्शी द्वारा भेंट किए गए। 15 सितंबर 2014 को उनके भतीजे द्वारा हवन कराके हाई कोर्ट के बम बलास्ट के शिकार हुए सभी शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

स्व. सोमनाथ शास्त्री लव

शास्त्री जी अपने प्रवचनों में कहा करते थे कि "पृथ्वी" नाम का यह ग्रह जिसमें हम सभी जीवनधारी चाहे वे थल चर हैं या जल चर या वे नभ चर है सभी ही इस ग्रह पर अपने अपने भाग्य और कर्मों के अनुसार बार–बार जन्म लेते हैं, तथा बार–बार मृत्यु को प्राप्त होते हैं। यह जीव लाखों वर्षों तक तथा लाखों योनियों को भुगत कर अन्त में मृत्यु और महाप्रलय को प्राप्त होता है। इसीलिए इस ग्रह का नाम "मृत्यु लोक" है।

अतः मन, वचन और कर्म से शुद्ध रह कर जो जीव अपनी योनि में उस परमात्मा को स्मरण तथा समर्पण भी करता है, केवल उसी जीव की ही मुक्ति या मोक्ष संभव हो सकता है। योगी, ऋषि, संत, महात्मा भी उस मोक्ष धाम को पाने के लिए आजीवन प्रयत्न करते रहते हैं, लेकिन फिर भी उस "अमर

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

लोक'' को प्राप्त करने में अक्षमता का अनुभव करते हैं।

शास्त्री जी का वैकुण्ठ वास 13.9.2003 को हुआ था, उनकी ग्यारवीं पुण्य–तिथि पर शिक्षा फण्ड में 250 रुपए भेंट किए।–*नरेन्द्र लव (भतीजा), शाहदरा, दिल्ली (मो.) 9911564481*

स्वर्गीय अनन्तराम बाली जी की स्मृति में

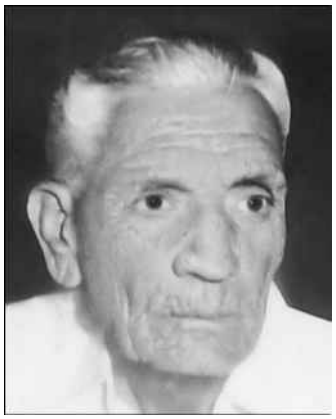

स्वर्गीय रायज़ादा अनन्त राम बाली जी की 19वीं बरसी दिनांक 21.08.2014 पर इनकी धर्मपत्नी श्रीमती शकुन्तला बाली निवासी 43, प्रेमनगर, अंबाला ने 100 रुपए मोहयाल सभा अंबाला शहर व 200 रुपए स्व. रायज़ादा अनन्तराम बाली विधवा फण्ड ट्रस्ट में भेंट किए।

–पंकज बाली, महासचिव मोहयाल यूथ विंक अंबाला व मैनेजिंग कमेटी सदस्य जी.एम.एस.

अनाश्रितः कर्मफलं

ऐसा ना खर्चो की कर्ज हो जाए।
ऐसा ना खाओं की मर्ज हो जाए।
ऐसा ना बोलो की क्लेश हो जाए।
ऐसा ना चलो की देर हो जाए।
तथा ऐसा ना कमाओ की पाप हो जाए।

अतः कर्मफल के लिए इन्द्रियों पर नियंत्रण आवश्यक है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में भी कहा है–

यस्त्विन्द्रियाणि मनसा नियम्यार भतेऽर्जुन।
कर्मेन्द्रियैः कर्मयोगमसक्तः स विशष्यते।।

हे अर्जुन! जो पुरूष मनसे इन्द्रियों को
वश में करके अनासक्त हुआ समस्त
इन्द्रियों द्वारा कर्मयोग का आचरण करता है, वही श्रेष्ठ है।
श्री भगवद्गीता–अध्याय 3, श्लोक।।7।।

*संग्रहित–**हरिओम मेहता छिब्बर***

गुरू पूजा बावा वीरमशाह जी दत्त अड़ी मेंढर पूंछ

प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष 12 जुलाई शनिवार 2014 को व्यास पूजा का आयोजन गुरू निवास अडी पर किया गया। इस अवसर पर गुरू की शरण में आए भक्तगणों की संख्या काफी अधिक थी। जम्मू, राजौरी, पून्छ, सूर्णकोट के अतिरिक्त पहली बार राजौरी से सेवक आए। हरनी मेंढर और मनकोट से लगभग 1200 सेवकों ने भाग लिया।

11 जुलाई को सुन्दरकाण्ड का पाठ रखा गया रात 12 बजे तक बावे का जगराता चलता रहा। 12.07.2014 की 9 बजे भाई रघुवीर व प्रधान जी अध्यक्षता में सभी भक्तों ने मुख्य पूजा में भाग लिया। पूंछ के महान पंडित पं. मायाराम जी ने पूजा की बावा जी की मूर्ति पर फूल माला चढ़ाई गई। श्री शामलाल जी प्रतिवर्ष की भांति गुरू संदेश गुरू महाराज, भाई धर्म दत्त जी द्वारा लिखित संदेश सुनाया सभी लोगों ने मुगध मन से संदेश सुना। 11 बजे प्रधान अशोक कुमार जी ने पूरे वर्ष की गतिविधियों से लोगों को जानकारी दी।

(1) वर्ष में बड़े–बड़े पूर्वजों की जानकारी।

(2) साल के चार अखण्ड कीर्तन।

(3) प्रतिमास प्रथम रविवार को महिला सत्संग।

(4) वैशाखी पर्व पर समारोह।

(5) 1008 बावा जी की समाधी स्थल का विस्तार कर 160 फीट किया गया।

बावा जी की चार फीट की ऊँची मूर्ति राजस्थान से आ रही है, जिस की स्थापना पहली मई बावा जी के जन्मदिन पर की जाएगी। 12.30 से एक बजे तक गुरू भाई वेद व्यास जी दत्ता वीरमशाह जी ने गुरू पूजा का महत्व बताया और सभी सेवकों से प्रण किया कि सभी दो घंटे सुबह शाम प्रभु स्मरण किया करेगा। हमें सभी धर्मों का आदर करना चाहिए। हिन्दू संस्कार पर गुरू जी ने प्रकाश डाला, बच्चों को हिन्दू संस्कार के बारे में बताना चाहिए।

एक बजे से 5 बजे तक विशाल भण्डरा का आयोजन किया गया।

–शिव कुमार दत्ता, अशोक कुमार सासण

अपील

दत्त वंश की मेल (गौका नौमी)

''वीरवार के दिन दत्त पिणाद जो साधे
राजी मीयण को मार फिर रण में गाजे''

भारत में बसे दत्त वंश के सभी सज्जनों से प्रार्थना है कि वह प्रति एक शहर में गौका नौमी 18 अगस्त 2014 को अपने वंश की मैल लगवाय, जिस में परिवार सहित दत्त अपने पिणाद के शहीदों को श्राद्ध भोज कर सके। दत्त इतिहास के अनुसार इसी दिन हमारा वंश कंजरूर कट्टर लोगों ने पिणाद में लगभग 600 दत्त वंश के बहादुर नौजवानों को शहीद किया था। सभी माताओं ने जोहर की रस्म अदा की थी। हम न पिणाद का जल पीते है न वहां का अन्न, सब्जियां ही खाते हैं। हमारी मातृ शक्ति तो वहां से घूंघट निकाल कर चलती थी, अब तो वह पाकिस्तान में है।

इस दिन दत्त एकत्र हो प्रशाद तैयार कर उन शहीदों के नाम अपनी शादी शुदा लड़कियों को खिलवाए, और बाकी प्रशाद सब वंश में बांट दें, हो सके तो छोटा से यक्ष कर विरादरी में भाई चारे का संदेश दें और बच्चों को दत्त वंश की कहानी सुनाई जाए।

–भाई वेद व्यास दत्ता वीरमशाही

मोहयाल मित्र के सभी पाठकों को मोहयाल मित्र के संपादक मंडल की ओर से आगामी दशहरा, दीपावली एवं भाई दूज के पवित्र पावन पर्व पर मंगलमय हार्दिक शुभ कामनाएं।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

एम ओ टी एच ई आर

माँ शब्द सिर्फ महसूस किया जा सकता है। उसे किसी भाषा या परिभाषा में बाँधना कठिन है। हर माँ सुपर होती है, क्योंकि अपनी जिंदगी को ताक पर रखकर वह संतान को जानती है, अंग्रेजी शब्द MOTHER से हम माँ के स्वरूप को इस प्रकार अभिव्यक्त कर सकते हैं!

M अक्षर से वह मेलोडियस है यानी उसके अंदर गीत व संगीत भरा हुआ है! उसकी लोरी सुन–सुनकर ही हम हिलोरें लेते बड़े होते है। वह रोटी पकाती है तो उसकी चूड़ियां खनखनाती हुई भोजन में संगीत का रस भी घोल देती है, जिससे उसका बनाया भोजन सबसे स्वादिष्ट बन जाता है!

O से आउट लुक, यानी माँ हमें हमेशा अपनी आँखों में बसा कर रखती है, आँखो का तारा मानती है। बच्चों का जरा सा दुःख देख उसकी आँखो में जहां आँसुओं के निर्झर बहने लगते हैं। वही उसकी दृष्टि बालक के सूक्ष्म मनोभावों को कैमरे की तरह अपने दिल में उतार लेती है।

T से ट्रेजरर, माँ बालक के लिए खंचाजी की तरह है, उसके खजाने में वात्सलय तो भरा ही है, बचपन में दूध के भंडारण का प्राकृतिक स्त्रोत भी वही है। रुपए पैसे भी माँ ही संभालकर रखती है! जब चाहो माँग लो, कामधेनु की तरह उसका खंजाना खाली नहीं होता। घर के बजट का बखूबी संचालन भी वही करती है!

H से हेल्पफुल, वह हर मुश्किल में सहायक होती है! उससे आप अपने दिल की हर बात हर उलझन को कह सकते है, और उसका समाधान पा सकते है। बचपन से लेकर बड़े होने तक हर छोटे–बड़े काम वही करती है!

E से अर्थ यानी पृथ्वी की तरह सहनशील है, सृजनशील है माँ। धरती की तरह विशाल हृदय है! उसका, उसमें गजब का धैर्य है, वह बड़े से बड़े कष्ट चुपचाप सहती है, लेकिन अपने बच्चों पर आँच नहीं आने देती, ढाल बनकर हर मुसीबत स्वयं ही झेलती है!

R से रिस्पॉन्सेबल, भगवान ने उसे एक जिम्मेदार इन्सान के रूप में धरती पर भेजा! घर के छोटे बड़े सभी लोगों की विभिन्न प्रकार की जिम्मेदारियों को वही निभाती है।

प्रो. वी.के. दत्ता, एम.ए. एमईडी, पीईएस
159, लाजपत नगर, जलंधर–144001

रचनाएँ भेजते समय ध्यान दें

- रचनाएँ पोस्टकार्ड या छोटे–छोटे कागज के टुकड़ों पर लिखकर न भेजें। रिपोर्ट और रचनाएँ आदि साफ़ स्पष्ट और शुद्ध लिखें जिन्हें पढ़ा जा सके। ई–मेल से रचनाएँ टाइप करके ही भेजें।
- प्रत्येक रचना भेजने के पश्चात दो माह प्रतीक्षा करें। इसके पश्चात ही कार्यालय से पूछताछ करें।
- मोहयाल मित्र में छपे फ़ार्म को भरकर वार्षिक सदस्यता ग्रहण करें। वार्षिक सदस्यता शुल्क दो सौ रुपए है।

''सारी''

इन्सान की दैनिक दिनचर्या में सुबह से रात तक प्रतिदिन कुछ शब्द बोलने में बहुत महत्वपूर्ण एवं प्रचलित होते हैं, बच्चों से बूढ़ों तक इन शब्दों का एक बार नहीं कई बार प्रयोग होता है। उदाहरण के लिए जैसे 'नमस्कार', 'धन्यवाद', 'कृपया', 'सारी', 'हैलो', 'बाई–बाइ', 'अच्छाजी' व स्वागत है, शुभरात्रि इत्यादी, आज में इसी कड़ी में आपको ''सारी'' के गुणों के बारे में अपना अनुभव बता रहा हूँ।

जी हाँ 'सारी' शब्द है बहुत छोटा परन्तु छोटे हुए भी बहुत मीठा और महत्वपूर्ण है। यह शब्द अनेकों स्थानों पर अपना गुण एवं चमत्कार दिखाकर लोगों को बड़ी–बड़ी मुश्किलों से बचा लेता है। आप जो चाहें करते जाइये जहाँ पर जरा सी गलती हुई मृदुल स्वर में 'सारी' कह दीजिए सुनते ही सुनने वाला थोड़ा शांत हो जाएगा और तुम्हें क्षमा कर देगा।

यदि आपने स्कूल का होमवर्क नहीं किया है, टीचर के पूछने पर सारी कह दीजिए वे अवश्य हल्की डांट मारकर माफ कर देंगे। यदि आप नौकरी करते हैं और कार्यालय पहुँचने में थोड़ा बिलम्ब हो गया तो इंचार्ज के पूछने पर 'सारी' कह दीजिए वे भी माफ कर देंगे, यदि आप खिलाड़ी हैं और खेलते वक्त प्रतिद्वंदी टीम के किसी खिलाड़ी से टक्कर हो जाती है तो 'सारी' कह दीजिए वह भी माफ कर देगा। माना कि आप बाइक से, कार से या साइकिल से जा रहे हैं और दुर्भाग्य से किसी से आपकी अचानक टक्कर हो जाती है, तो मात्र सारी कहने से उसका हाथ आपको थप्पड़ मारने से जरूर रुक जाएगा। कोई चिरपरिचित दोस्त या मित्र उधार माँगने आ जाए तो एक बार सॉरी कहने से उससे पीछा छुड़ा सकते हैं या कहिए किसी से आपने कुछ वस्तु थोड़े दिन के लिए उधार में ली है और समय पर वापिस नहीं की और बाद में वह मांगने आ जाय तो 'सारी' कह कर उसे टाल सकते हैं, ऐसे ही कई उदाहरण हैं परन्तु स्थानाभाव की वजह से ''सारी'' ज्यादा नहीं लिख सकता हूँ।

–कैप्टन के.एल. डोभाल, *जी.एम.एस.*

गूढ़ ज्ञान

1. जहां 'मैं' नहीं है वहां अंह नहीं है!
2. अविद्या वश जीव का संसार चक्र कभी नहीं रुकता!
3. अज्ञान द्वारा ज्ञान के ढक जाने से लोग मोह में फंसते है।
4. लोभ से जिनके चित मलिन हो गए हैं वे पा को नहीं देख सकते!
5. मोह के वश होकर मनुष्य अधर्म को धर्म मानता है!
6. मनुष्य के पुरूषार्थ का अधिकारी है, परिणय का नहीं!
7. कोई ईश्वरी नियम का उल्लंघन नहीं कर सकता, सबको अपनी योग्यता के अनुसार न्याय मिलता है।
8. सबका कर्त्ता ईश्वर ही है तो फिर कर्त्तापन का अभिमान कैसा!
9. न्याय की विरोधी दया, दया, दया नहीं, बल्कि त्रुरता है।
10. जो अनिवार्य है उसका शोक करना उचित नहीं!

–संकलकः ***मदनलाल दत्त***
खैरपुर, सिरसा (हरियाणा) मो. 08570994004

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor